Development of tourist places in Maharashtra

*382. SHRI TARIQ ANWAR: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of tourists are coming to Maharashtra;

(b) if so, the number of tourists, both Indian and foreigners, visited the State during the last two years; and

(c) the financial assistance provided by the Central Government to the State Government for the development of tourist places in Maharashtra?

THE MINISTER OF TOURISM (SHRIMATI AMBIKA SONI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The estimated number of domestic and foreign tourist visits to the State of Maharashtra during the year 2004 and 2005 are as follows:—

Year	Tourist visits (in million)	
	Domestic	Foreign
2004	13.39	1.22
2005	14.28	1.45

(c) The financial assistance provided by the Ministry of Tourism to the State of Maharashtra for the projects for development of tourist places, destinations/circuits, conduct of festivals and Information Technology Projects during the last three years is as follows:—

Year	Number of Projects Sanctioned	Amount sanctioned (in rupees lakh)	Amount released (in rupees lakh)
2004-05	9	1660.69	1190.28
2005-06	9	2075.04	1663.99
2006-07 (Upto 12.12.2006)	10	2326.89	1862.26
TOTAL	28	6052.62	4716.53

श्री तारिक अनवर: सभापति महोदय, वैसे तो पूरे भारत देश में टूरिज्म को डेवलप करने के लिए काफी संभावना है, खास तौर पर महाराष्ट्र के अंदर। मंत्री महोदया ने अपने जवाब में बताया है कि पिछले वर्ष 2005 में घरेलु पर्यटक जो आए हैं वे 14.28 प्रतिशत आए हैं और विदेशी पर्यटक 1.45 परसेंट आए हैं। इतनी कम संख्या में जो टूरिस्ट आ रहे हैं, मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि इसके क्या कारण हैं और इस दिशा में केन्द्र सरकार क्या कदम उठा रही है? दूसरा, उन्होंने अपने जवाब में कहा है कि 28 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी है जिस पर मात्र 60 लाख 52 सौ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह रकम बहुत ही कम है। मैं नहीं समझता कि 28 परियोजनाओं के लिए 60 लाख रुपया उपलब्ध कराना उचित होगा, इस राशि को बढ़ाना चाहिए। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या महाराष्ट्र सरकार की ओर से कोई नया प्रपोजल इस दिशा में आया है, जो केन्द्र सरकार के पास लंबित है और अगर ऐसा कोई प्रपोजल है तो उसके संबंध में विस्तार से बताने की कृपा करें।

श्रीमती अम्बिका सोनी: सर, मैं सबसे पहले माननीय सदस्य को बताना चाहती हूं कि 14.28 मिलियन टूरिस्ट्स हैं और यह साठ लाख नहीं 60 करोड़ रुपया खर्च किया गया है।

श्री तारिक अनवर: आपने अपने जवाब में 60 लाख लिखा है।

श्रीमती अम्बिका सोनी: 6 हजार, 52 प्वाइंट 62 लाख लिखा है। इस प्रकार यह 60 करोड़ है। मैं मानती हूं कि बहुत अधिक साधनों की हमें आवश्यकता है ताकि महाराष्ट्र के फुल टूरिस्ट पोटेंशियल को हम एक्सप्लायट कर सकें लेकिन इस साल हमने एक लार्ज रेवेन्यू जेनरेटिंग प्रोजेक्ट भी लिया है जिस पर शायद हम लोग 50 करोड़ तक के साधन लगाने का प्रयास कर रहे हैं। मैं आपको बताना चाहती हूं कि देश में आने वाले पर्यटकों की अधिकतर संख्या महाराष्ट्र चाहता है, दूसरे प्रदेशों के मुकाबले में। अजंता-एलोरा के टूरिज्म प्रोजेक्ट में, खास करके फेज-1 में हमने 127 करोड़ रुपए खर्च करके वहां जेपनीज बैंक की मदद से बहुत परिवर्तन किया है। वहां अपग्रेडेशन हुआ है और अभी भी फेज-2 चल रहा है, जिसके लिए 299 करोड़ रुपया नियमित किया गया है। तो इस पूरे इलाके में जहां हमने देखा है कि ज्यादा टूरिस्ट्स जाते हैं, वहां हमने ज्यादा साधन जुटाने के प्रयास किए हैं। इसके साथ-साथ डेस्टिनेशन डेवलपमेंट और सर्किट डेवलपमेंट पर भी उसी तरह हमने दस प्रोजेक्ट्स इस साल सैंक्शन किए हैं जिसमें fairs & festivals शामिल हैं। कोशिश यह की जा रही है कि उनके आने में जो रुकावट है, जैसे होटल के कमरों की कमी है, मुम्बई शहर में आज होटल के कमरों की कीमत बहुत ज्यादा बढ़ गई है, जिससे कई पर्यटक जाने में सक्षम नहीं होते हैं। इसलिए हम कोशिश कर रहे हैं कि अर्बन डेवलपमेंट मिनिस्ट्री के साथ मिलकर जो शहर उन्होंने आईडेंटिफाई किए हैं, अर्बन रिन्यूअल मिशन के तहत, हम कोशिश यह कर रहे हैं, हमारा प्रयास है कि उन शहरों में, खासकर महाराष्ट्र के संदर्भ में, उन शहरों में भी हम

टूरिज्म डेवलप करने का प्रयास कर रहे हैं, जहां अर्बन डेवलपमेंट मिनिस्ट्री अपने साधन जुटा रही है, ताकि कुछ हद तक उनके जरिए हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर मिल जाए और टूरिस्ट फैसिलिटेशन के लिए हम अपने सीमित साधन लगा सकें।

श्री तारिक अनवर: अभी माननीय मंत्री महोदया ने बताया कि अजंता-एलोरा कंजर्वेशन का, जापान बैंक के द्वारा जो एक कार्यक्रम चल रहा है, जिसका फर्स्ट फेज सक्सेसफुली आगे बढ़ा है और सेकेंड फेज में क्या योजनाएं ली जा रही हैं, उसका विवरण जरा देने की कृपा करें कि जापान बैंक ऑफ इंटरनेशनल कोआपरेशन से हमें क्या मदद मिलने वाली है, हम उसकी क्या आशा करते हैं?

श्रीमती अम्बिका सोनी: जिन-जिन जगहों पर, विशेष तौर पर जहां बुद्धिस्ट इन्फ्लुएंसेज हैं, वहां जापान के जे.बी.आई.सी. के जरिए हमें कुछ सहायता मिलती है। बिहार में भी मिली है। अब इस साल सिक्किम और मध्य प्रदेश में कुछ मदद करने के सुझाव उन्होंने रखे हैं। सैकेंड फेज में हम वहां कनेक्टिविटी बढ़ा रहे हैं और वहां टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर्स, लॉजेज इस तरह ही सहूलियतें देने का प्रयास कर रहे हैं और उसके अपग्रेडेशन के लिए क्योंकि आपने देखा है कि अजंता-एलोरा में कई जगहों पर हाल में चिंता व्यक्त की गई—इस सदन में भी और बाहर भी, कि जब बहुत ज्यादा बारिश हुई और पानी आया, तो कई verandas में, हालांकि अभी किसी महत्वपूर्ण जगह पर कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन verandas में पानी आया है। इस तरह से अपग्रेडेशन में भी वे हमारी मदद कर रहे हैं, लेकिन अगर डीटेल में आप जानना चाहें, तो अजंता केव्ज के अपग्रेडेशन के लिए, कंजर्वेशन के लिए, औरंगाबाद के लिए, यह सब सहायता जो हमें उनसे मिल रही है और दौलताबाद फोर्ट के लिए, बीबी का मकबरा के लिए, पटना देवी टेंपल के लिए, पिटालखोरा केव्ज के लिए, यहां कंजर्वेशन के काम उनकी मदद से हम कर रहे हैं और जहां external डैमेज हुआ है, वहां भी कंजर्वेशन हो रहा है। इसके अलावा हम प्रयास कर रहे हैं कि औरंगाबाद का जो एयरपोर्ट है, उसमें इंप्रूवमेंट हो, साथ में एक-दो ancillary building बनी है, टर्मिनल बिल्डिंग बनी है, वहां हम सपोर्ट फैसिलिटीज देने के प्रयास कर रहे हैं। जो पिटालखोरा केव्ज में सड़कें जाने की बात है, उन सड़कों का अपग्रेडेशन हो रहा है। इन सब जगहों पर afforestation के प्रोग्राम हम ले रहे हैं, ताकि इन जगहों को हम environment friendly बना सकें और टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स, जैसे मैंने पहले जिक्र किया, इन तमाम चीजों पर रकम लगाई जाए।

कुमारी निर्मला देशपांडे: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह पूछना चाहती हूं कि महाराष्ट्र में महात्मा गांधी का सेवाग्राम आश्रम और बगल में आचार्य विनोबा जी का पवनार आश्रम है, तो सेवाग्राम आश्रम की कुटिया देखकर अनेकों विदेशी यात्रियों को इतनी प्रेरणा मिली है, जो कि पचासों ग्रन्थ पढ़ने से नहीं मिलती, इन स्थानों में यात्रियों की सुविधा के लिए और यहां आने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ाने की दृष्टि से क्या किया जा रहा है?

श्रीमती अम्बिका सोनी: सर, हमें ये सुझाव माननीय सदस्य तथा दूसरे संसद सदस्यों से भी मिले हैं। हमने वहां की मैनेजिंग बॉडी के साथ मिलकर एक इन्टरेक्शन शुरू किया है। उनके अपने कुछ नियम हैं, जिनके तहत वे अपने कुछ साधन जुटाकर तथा अन्य किसी तरीके से यदि हम उनकी मदद करें, तो उस वातावरण को सिर्फ पर्यटकों के लिए बनाया जा सकता है। इससे उस वातावरण को they don't want to spoil the atmosphere of the ashram by making it into a tourist-directed project. हम लोगों का उनके साथ इस मामले में इन्टरेक्शन चल रहा है कि हम कनैक्टिविटी बढ़ाएं और उनके आस-पास की जगहों का अपग्रेडेशन करने की भी बात कर रहे हैं, मगर जो सैन्टर्स हैं, आश्रम हैं, उनका वातावरण वैसा ही रहे, उनमें किसी प्रकार की कोई दखल न दी जाए, हमारी उनके साथ इस तरह की एक प्रपोजल चल रही है।

SHRIMATI JAYA BACHCHAN: Sir, I would like to ask the hon. Minister the names of other States, which they have identified, apart from Maharashtra. Secondly, when people talk about Maharashtra, they land in Mumbai. I believe, for tourists, the first impression is the last impression, and the impression that they get when they land in Mumbai is something that I don't want to talk about in detail; but everyone is aware of it. Mumbai is in a pathetic situation. Sir, I would like to know what the Tourism Minister is doing to enhance the image of that city which is a very, very important city, whether it is the airports, — I am not talking about airports *per se* — I mean, the roads leading from the airport to the rest of the city and from the station to the rest of the city. And whichever place they have identified in Maharashtra, when we look at the connection and the way the city looks, I should say, the city of Mumbai is in a pathetic condition. What is the Government doing to improve the image of that city so that people, who land in Mumbai, feel like going further? Forget about the other destinations for the visitors; whether it is Ajanta Ellora आप वहां खुद जाएं, आप अजंता-एलोरा में जाएंगे, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है, आपका क्वेश्चन हो गया।

श्रीमती जया बच्चन: तो आपको पता चल जाएगा कि वहां की स्थिति कैसी है, तो मैं मंत्री जी से पूछना चाहती हूं, and I want the name of, at least, three other cities in the country that have been identified by the Tourism Ministry, which they are going to promote for tourists in this country.

SHRIMATI AMBIKA SONI: I am sorry, I am unable to give, — even though I can, I am not willing to give — the names of any three cities because the intention of the Ministry of Tourism is to develop tourism

across the country, in every single State of this country, to build upon the inherent strengths, cultural and tourist, of each State, and thereby, in close interaction with the State officials, develop tourism facilities. So, it would be very wrong on my part to identify three cities; I will be hauled up for that. So, the hon. Member should excuse me from giving names of three cities. As far as the city of Mumbai is concerned, I agree with the hon. Member that our large metropolitan cities, especially, the airports, are congested. We all have the unhappy experience of hovering over the airports for half-an-hour or forty-five minutes before we land. The areas around the airports have, unfortunately, been encroached upon. But these are all answers which only the State Government officials can give you. As Ministry of Tourism, we only drive tourism. We try and help every State by giving them assistance for projects, decided and prioritised by the State Governments on how to develop either a destination in their State or a circuit. Recently, because we felt that funds to the extent of Rs. 5 crores for destination development and Rs. 8 crores of financial help for a circuit development were not enough, the Cabinet, in a recent meeting, has cleared our proposal to develop large projects where for a destination development, instead of Rs. 5 crores, we could give Rs. 25 crores and a circuit can be given Rs. 50 crores so that we can take up overall development of destinations of tourist and cultural impact. I am sure, once this scheme is in place — I have given two-three years of gestation period — the hon. Member will be able to see across Maharashtra, and when she travels out of Maharashtra, in other parts of the country, definite tourist destinations. But, I would like the House to understand, Sir, that the Ministry of Tourism at the Centre is, at best, described as a facilitator or a coordinator. If we want more roads, we have to approach the Ministry of Surface Transport; if we want better connectivity by air or railway, there are two Ministries to which we have to go and beg for increase in facilities; if we want more hotels, we have to talk to the Environment Ministry and the Urban Development Ministry for sanction of projects. And the State Governments, of course, are with us. It is a very positive sign that, in the last couple of years, we have got all the State Governments, irrespective of their political colouring, on board as stake-holders. Nevertheless, we have to interact with all these vital Ministries to get anything going. For that, it takes time. But we are moving forward. Tourism is increasing. Rashtrapatiji put high goals before us when he addressed the WTTC Summit and, I hope, we are able to move in that direction.

MR. CHAIRMAN: Next Question ...*(Interruptions)*...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सभापति जी, महाराष्ट्र में गुरु ग्रंथ साहब को गुरु-गद्दी मिली थी, वर्ष 2008 में इसके 300 साल पूरे होने जा रहे हैं। बहुत से लोगों को यह नहीं पता होगा कि जो सिखों का साक्षात गुरु, गुरु ग्रंथ साहब है, उसको गुरु-गद्दी नांदेड़ में मिली थी। वर्ष 2008 में वहां इसके 300 साल पूरे होने पर गुरुपर्व मनाया जाएगा। देश-विदेश से लोग वहां आएंगे। मेरी गुजारिश सिर्फ इतनी है कि आपने 5 करोड़ या 8 करोड़ रुपए infrastructure development के लिए दे दिए हैं। सबसे बड़ी जरूरी बात यह है कि भारत का टूरिज्म का जो मैप बनता है, वहां पर सिखों के इस स्थान का नाम नहीं लिखा हुआ है, जहां से गुरु ग्रंथ साहब को गुरु-गद्दी मिली, उसका नाम नहीं लिखा हुआ है।

''गुरु मान्यो ग्रंथ, प्रगट गुरां की देह,
जाका हिरदा शुद्ध है, खोज शबद में लेह।''

वह जो आस्था है गुरु ग्रंथ पर, गुरु नानक के नाम लेने वाले जितने भी परिवार हैं, उनके लिए नांदेड़ एक आस्था का स्थान है, लेकिन वह इंडिया के टूरिज्म मैप में अंकित नहीं है, मंत्री जी उसको अंकित करवाएं और वहां जाने के लिए रास्ता, वहां पर एयरपोर्ट की व्यवस्था और दूसरी जो व्यवस्थाएं हो सकती हैं, उन्हें कराने की कृपा करें।

श्रीमती अम्बिका सोनी: सभापति जी, मैं माननीय सदस्य से सहमत नहीं हूं कि तमाम वे परिवार जो गुरु नानक का नाम लेते हैं, केवल उन्हीं के लिए नांदेड़ आस्था का स्थान है, मैं समझती हूं कि भारतवर्ष में हर व्यक्ति गुरु नानक का नाम लेता है, खुशी से लेता है और मैं आपसे कहना चाहती हूं कि 2008 में नांदेड में यह पर्व मनाया जाएगा, धूमधाम से मनाया जाएगा। केन्द्र सरकार ने अखिल भारतीय स्तर पर एक कमेटी का गठन किया है और माननीय गृह मंत्री, श्री शिवराज पाटिल इसके Chairman हैं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उसके Co-Chairman हैं। हमारी दो मीटिंग्ज हो चुकी है, कल भी एक मीटिंग हुई, जिसमें वहां के गुरुद्वारे हुजूर साहब और सिंह सभा से मिलकर, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से राय-मशविरा करके सरकार का कितना योगदान होगा, इस बारे में बहुत impressive और महत्वपूर्ण प्रोग्राम की एक रूपरेखा बनाई गई है। मैं माननीय सदस्य को आश्वासन देना चाहती हूं कि यह पर्व जो 2008 में नांदेड़ के हुजूर साहब गुरुद्वारे में मनाया जाएगा, हम उम्मीद करते हैं कि लाखों की तादाद में दुनिया भर से लोग वहां आएंगे और उनके लिए UPA सरकार की ओर से सभी तरह के इंतजाम किए जाएंगे।

***383 [The questioner (Shri B.J. Panda) was absent. For answer *vide* page 30 *infra*]**

MR. CHAIRMAN: Question No. 384.